**Title:** Need to review the decision of the High Powered Committee rejecting the expansion of Kulu airport in Himachal Pradesh.

**श्री महेश्वर सिंह (मंडी)** : उपाध्यक्ष महोदय, सर्वप्रथम मैं सरकार के प्रति आभार व्यक्त करता हूं कि उसने कुल्लू एयरपोर्ट के विस्तार हेतु 30 करोड़ रुपए का प्रावधान किया है, लेकिन हाल ही में समाचार पत्रों में छपी खबरों से जानकारी मिली है कि कुल्लू हवाई अड्डे का विस्तार संभव नहीं है। यदि ऐसा है, तो फिर प्राक्कलन कैसे तैयार किया गया ? धन के प्रावधान के उपरान्त हाईपावर कमेटी द्वारा इस प्रकार का निर्णय लेना किसी भी प्रकार से तर्कसंगत नहीं है।

मेरी जानकारी के अनुसार इस समिति का गठन जो एयरपोर्ट अथारिटी ने किया है उसमें एक भी अनुभवी पायलट को सदस्य नहीं बनाया गया है। यह निर्णय वे लोग करते हैं जिनको स्थानीय भौगोलिक परिस्थिति में वायुयान किस प्रकार उड़ेंगे और उतरेंगे इसका लेशमात्र भी अनुभव नहीं होता। मेरा सुझाव है कि इस समिति में ऐसे पायलटों को शामिल किया जाए जिन्हें स्थानीय भौगोलिक परिस्थितियों में विमान उड़ाने एवं उतारने का पर्याप्त अनुभव हो और फिर उनकी राय ली जाए। इसलिए सारे प्रकरण पर पुनिर्विचार करने की आवश्यकता है।

वर्तमान में कुल्लू हवाई अड्डे पर केवल डोनियर विमान की ही उड़ान संभव है। इसलिए मेरा आग्रह है कि एटीआर विमान उड़ाने एवं उतारने हेतु हवाई पट्टी के जितने विस्तार की आवश्यकता हो उतना विस्तार किए जाने पर अवश्य विचार किया जाए।